एक नजर में

चार धाम यात्रा से लौटे तीर्थ यात्रियों का स्वागत

सनावद, निप्र। चार धाम यात्रा कर वापस सनावद लौटे तीर्थ यात्रियों का शनिवार को भव्य स्वागत किया गया। सनावद से तीर्थ यात्रियों का दल गत 2 मई को रवाना हुआ था। तीर्थ यात्रियों में सीमा कमल जैन,महेश जैन,अंशु जैन,कोमल जैन,पद्मावती जैन, सिमरन जैन,किरण जैन,सोनू जैन,रिचा जैन,देशना जैन, रूपाली बडेक, रागिनी,वीरेंद्र सिंह चौधरी,नयनसिंह बघेल,मंजू बघेल, कुसुम गुर्जर शामिल थे। तीर्थ यात्रियों का स्वागत कमल डोसी और साथियों ने किया। इसके पूर्व तीर्थ यात्रियों का स्वागत इंदौर में नीलेश सराफ, बड़वाह में विकास कंकू चोपड़ा,राजपुर में प्रवीण जैन,रविंद्र गौतम जैन एवं बेड़िया में कुसुमलता जैन ने किया।

सुर्खियों में रहे निलंबित कर्मचारी का फिर निकला स्थानांतरण आदेश

बड़वाह, निप्र। चर्चित केबल कांड के बाद निलंबित किए गए कर्मचारी अवधेश शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पहले विद्युत सामग्री के दुरुपयोग और कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों के चलते निलंबन आदेश जारी हुआ, वहीं अब उनका नया स्थानांतरण आदेश सामने आया है, जिसमें उन्हें झाबुआ भेजे जाने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार अति. मुख्य अभियंता (भंडार वृत्त) म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, इंदौर द्वारा 22 अगस्त 2025 को जारी आदेश में अवधेश शर्मा को निलंबित किया गया था। आदेश में उल्लेख था कि बड़वाह उपसंभाग में पदस्थ रहते हुए चार किसानों के विद्युत सिंचाई पंप कार्यों में 5 प्रतिशत सुपरविजन योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के निष्पादन में विद्युत वितरण कंपनी की सामग्री का दुरुपयोग किया गया तथा कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरती गई। निलंबन के बाद मामला शांत नहीं हुआ। अब आरोप है कि संबंधित कर्मचारी सरकारी क्वार्टर खाली करने में आनाकानी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वर्तमान में उनकी पदस्थापना खरगोन एसटीएम में होने के बावजूद वे बड़वाह स्थित 220 केवी ग्रिड परिसर के सरकारी क्वार्टर में ही डेरा जमाए हुए हैं। इधर कार्यपालन यंत्री द्वारा क्वार्टर खाली करने का आदेश भी जारी किया गया। इसके बाद खरगोन से बड़वाह विद्युत विभाग स्टोर में पदस्थ होने और फिर अचानक झाबुआ स्थानांतरण आदेश सामने आने से पूरे मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि निलंबन, क्वार्टर विवाद और लगातार बदलती पदस्थापनाओं के बीच आखिर वास्तविक स्थिति क्या है? विभागीय कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित है या फिर मामले में आगे कोई ठोस कदम भी उठाए जाएंगे? क्षेत्र में यह मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

कल से शुरु होगा नौतपा, 9 दिन तक प्रचंड रुप दिखाएंगे सूर्य नारायण

खरगोन, निप्र। वैदिक ज्योतिष में नौतपा का विशेष महत्व है। जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब साल के सबसे गर्म 9 दिनों की शुरुआत होती है, जिसे नौतपा कहा जाता है। इस साल 25 मई से 2 जून तक नौतपा रहेगा। शास्त्रों के अनुसार, इन 9 दिनों में सूर्य देव अपने पूरे प्रचंड रूप में होते हैं। यही कारण है इस दौरान प्रकृति और शरीर के संतुलन को बनाए रखने के लिए शास्त्रों और पुराणों में कुछ कड़े नियम बताए गए है। पंडित अरविंद डोंगरे के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा है, जो शीतलता का प्रतीक है। जब सूर्य इस नक्षत्र में आते हैं, तो वे चंद्रमा की शीतलता को सोख लेते हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है। शास्त्रों में इस महा .तपश् के दौरान नियमों के पालन का वर्णन भी है। नौतपा के समय सूरज की पूजा को सबसे बड़ा और जरूरी माना गया है। खासकर नौतपा के दिनों में सुबह के समय तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से शरीर में पॉजिटिव एनर्जी आती है और मन मजबूत होता है। नौतपा की कड़कती गर्मी में पानी ही सबकी जान बचाता है। बड़े-बुजुर्ग हमेशा कहते हैं कि इन 9 दिनों में पानी को बेकार बहाना पाप समान माना जाता है। इसलिए इस मौसम में राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना, पक्षियों के लिए छत पर पानी रखना और प्यासों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। आयुर्वेद की मानें तो नौतपा में गर्मी इतनी बढ़ जाती है कि शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है। इसलिए शास्त्रों और डॉक्टरों दोनों के अनुसार, दोपहर की तेज धूप में बिना वजह घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। अगर बहुत जरूरी काम हो, तो सिर और चेहरा ढंककर ही बाहर जाएं। पुरानी लोक मान्यताओं के अनुसार, नौतपा के दौरान हरे-भरे पेड़ों को काटना या पौधों को नुकसान पहुंचाना बहुत अशुभ होता है। माना जाता है कि इस प्रचंड गर्मी प्रकृति बहुत नाजुक दौर से गुजर रही होती है, इसलिए उसकी सुरक्षा करना हमारा फर्ज है। नौतपा की धधकती गर्मी में घर की छत या आंगन में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखना और बेजुबान जानवरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना अनिवार्य नियम माना गया है।

विधानसभा प्रभारी ओम सिलावट दौरा कर लेंगे पंचायत कमेटियों की बैठकें

खरगोन, निप्र। मध्य प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त खरगोन विधानसभा क्षेत्र प्रभारी ओम सिलावट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरगोन ग्रामीण के गांवों में आज दौरा कर ग्राम पंचायत कमेटियों का गठन करने हेतु बैठकें लेंगे उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने बताया कि दिनांक 24 मई 2026 को प्रात: 10:00 बजे ग्राम रणगांव, 11:00 बजे दाभड़, 12:00 बजे सुरपाला, 1:00 बजे इच्छापुर, 2:00 बजे पिपरी, 3:00 बजे घोटिया, 4:00 ग्राम बनिहार, 5:00 बजे नंदगांव रोड, 6:00 बजे डालका तथा 7:00 बजे सिनखेड़ा मैं कांग्रेस पंचायत कमेटी गठन को लेकर बैठके लेंगे। इस अवसर पर उनके साथ किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष परसराम पाटीदार और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरगोन ग्रामीण के अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार भी उपस्थित रहेंगे।

खरगोन में अवैध 5G कपास बीज का कारोबार तेजी पर

कृषि विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। खरगोन जिले में 80% किसान बिना अनुमति वाले 4जी-5जी कपास बीज लगा रहे हैं। अब तक एक से डेढ़ लाख पैकेट अवैध 5जी बीज किसानों को बेचे जा चुके हैं, लेकिन कृषि विभाग और जिला प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं है।

किसान क्यों लगा रहे 5G बीज :

1. खरपतवार नाशक का असर नहीं: 5जी कपास पर खरपतवार नाशक डालने से फसल को नुकसान नहीं होता, मजदूरी बचती है।

2. गुलाबी इल्ली कम: किसानों का दावा है कि इस बीज में गुलाबी इल्ली का अटैक कम होता है।

बिना परमिशन बीज के नुकसान :

1. सरकारी मदद नहीं: बिना परमिशन और पक्के बिल के फसल खराब होने पर किसान को मुआवजा या बीमा का लाभ नहीं मिलेगा।

2. सेहत को खतरा: खरपतवार नाशक के ज्यादा इस्तेमाल से मिट्टी, किसान और पशुओं की सेहत खराब होगी।

3. मजदूरों का पलायन: खरपतवार निकालने का काम खत्म होने से मजदूर बेरोजगार होंगे, पलायन बढ़ेगा।

4. मनमाने दाम: परमिशन वाले बीज के दाम तय हैं, लेकिन 5ब बीज मनमाने रेट 1100-1500 रु में बेचा जा रहा है।

'हर दुकान पर 5जी बीज मिल रहा है। खरपतवार की टेंशन खत्म हो जाती है और इल्ली भी कम लगती है, इसलिए मजबूरी में लगाना पड़ता है, लेकिन डर यही है कि कल को फसल बिगड़ी तो कोई सुनवाई नहीं होगी। सरकार या तो इसे बंद करे या वैध करे।' **-दशरथ राठौड़, किसान**

किसानों की मांग

किसानों का कहना है कि या तो इस अवैध बीज पर पूरी तरह रोक लगाई जाए या फिर सरकार इसे परमिशन दे दे, ताकि नुकसान होने पर मदद मिल सके।

कहां से आ रहा बीज और कहां बिक रहा

अन्य राज्यों से 5ब कपास बीज के पैकेट अवैध तरीके से लाए जा रहे हैं। पिछले 3-4 साल से यह कारोबार फल-फूल रहा है। बरुड़, बिस्टान, सेगांव, देवली, भगवानपुरा, कसरावद, झिरन्या समेत जिले के हर गांव में 1100 से 1500 रुपये प्रति पैकेट के भाव से 5ब बीज आसानी से मिल रहा है।

विभाग की चुप्पी सवालों में

एक से डेढ़ लाख पैकेट बिक जाने के बाद भी कृषि विभाग और प्रशासन की अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं। बिना जांच के इतने बड़े पैमाने पर अवैध बीज का बिकना गंभीर मामला है।

अवैध शराब संग्रहण के ठिकानों पर दी दबिश, नष्ट की कच्ची शराब

कसरावद, निप्र। कसरावद पुलिस ने शनिवार तड़के सुबह अवैध कच्ची शराब के ठिकानों पर दबिश देकर हजारों रुपए कीमत की बिक्री के लिए संग्रहित शराब जब्त की है। कार्रवाई में घर में रखी कच्ची शराब के साथ ही ढाबों पर बेचने के लिए संग्रहित शराब शामिल है। इस कार्रवाई में 4 प्रकरण दर्ज कर 20 हजार 750 रुपए कीमत की 145 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब नष्ट की है। इस दौरान 28 हजार रुपए कीमत का 2800 लीटर महुआ लहान भी नष्ट कर अवैध शराब बनाने के संसाधनों को जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ग्राम भीलगांव के रवि व उसके घर के पास अनिल, गणेश वानखेड़े ने अपने घर पर एवं शिवम डावर के द्वारा नाले के पास हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब बनाकर संग्रहित करने की सूचना मिली थी। सूचना पर टीम ने दबिश दी। मौके से रवि पिता रुकडिया निवासी भीलगांव के घर से 60 लीटर कच्ची शराब को नष्ट किया है। आरोपी शिवम पिता जीवन डावर के कब्जे से 60 लीटर शराब को नष्ट किया। अनिल पिता मांगीलाल भीलगांव के घर से 12 लीटर अवैध कच्ची महुआ की शराब जब्त कर आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया है। आरोपी गणेश पिता बाबू वानखेड़े निवासी भीलगांव के घर से 13 लीटर अवैध कच्ची महुआ की शराब जब्त की है। पुलिस टीम थाना कसरावद ने 22 मई को भी कस्बा भ्रमण के दौरान मंडलेश्वर रोड स्थित ढ़ाबे के पास कार्रवाई की है। यहां रोहित पिता दिनेश रावल निवासी धामनोद व महादेव पिता कैलाश तंवर निवासी ग्राम बेगंदा धामनोद को अवैध रूप से शराब बेचते घेराबंदी कर पकड़ा। इनके कब्जे से 2280 रुपए कीमत के 32 क्वाटर देशी प्लेन शराब जब्त की है।

मंडलेश्वर के घाट पर गंगा दशमी से शुरू होंगी मां नर्मदा आरती

मंडलेश्वर, निप्र। नगर के नवनिर्मित नर्मदा घाट पर आगामी 26 मई गंगा दशमी से वाराणासी की विख्यात गंगा आरती की तर्ज पर भव्य नर्मदा महाआरती का शुभारम्भ होने जा रहा हैं। इस संबंध में एक बैठक मंडलेश्वर के नर्मदा आश्रय स्थल पर सम्पन्न हुई जिसमे 31 वर्ष से लगातार नर्मदा आरती करने वाली संस्था माँ नर्मदा आरती मंडल के पदाधिकारी नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे एवं महेश्वर में होने वाली नर्मदा महाआरती प्रकल्प के प्रमुख पंडित शुभम जोशी शामिल हुए।

बैठक में सर्वानुमति से अमावस्या और पूर्णिमा पर भव्य माँ नर्मदा महारती शुरू करने का निर्णय लिया गया। पं. शुभम जोशी यहां गंगा दशमी पर महा आरती का शुभारम्भ करवाएंगे। इस संबंध में आवश्यक संसाधन नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे उपलब्ध कराएंगे। महा आरती के लिए पंडित शुभम जोशी मंडलेश्वर के पंडितो को धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराने के लिए अपना सानिध्य और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे के साथ पंडित शुभम जोशी पंडित अमित कानूनगो और नर्मदा आरती मंडल के मुकेश श्रीवास संतोष चौहान पवन तवर मनीष पाटीदार ने नर्मदा घाट पर होने वाली महा आरती के स्थान का अवलोकन किया। नर्मदा आरती मंडल के संतोष चौहान ने बताया कि आरती मंडल 1995 से लगातार नर्मदा घाट पर परम्परा गत वाद्य यंत्रों के साथ नर्मदा आरती करता आ रहा हैं अब इसे भव्य रुप से किया जाएगा। परम्परागत आरती में आरएसएस के भैयाजी जोशी, प्रसिद्ध संत दादा गुरु, पूर्व मंत्री डॉ विजय लक्ष्मी साधौ, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, विधायक राजकुमार मेव, नर्मदा समग्र के कार्ति सप्रे सांसद गजेंद्र सिंह और जिले के कलेक्टर भी शामिल हो चुके हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जन्मदिन पर पिता की याद में रोपा पौधा

कार्यकर्ताओं को भी दिया संकल्प, विधायक पाटीदार ने भी कार्यालय पहुंच दी जन्मदिन की बधाई

खरगोन, निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो भी संदेश देते है, उसका समूचा विश्व अनुसरण करता है। इसकी शुरुआत भाजपा कार्यकर्ता करते है। पीएम मोदी की अपील का असर भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे के जन्मदिन पर भी देखने को मिला। ब्राह्मणे ने सादगी से अपना जन्मदिन मनाया। विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कसरावद के पूर्व विधायक आत्माराम पटेल, पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी ने भी भाजपा कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष ब्राह्मणे को गुलदस्ता भेंटकर जन्मदिन की बधाई दी।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने बड़ी पार्टी या समारोह न रखते हुए कार्यकर्ताओं से कार्यालय में मुलाकात की। उनका मेलोडी चॉकलेट से मुंह मीठा कराया। इसके साथ ही बढ़ते प्रदूषण, घटते जंगलों की चिंता करते हुए पौधरोपण को बढ़ावा देने का संदेश देते हुए पिता की स्मृति में कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर प्रेरणादायी एवं पर्यावरण-हितैषी संदेश दिया। कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला महामंत्री विवेक भटोरे, कार्यालय मंत्री विजय पटेल, कोषाध्यक्ष भीमसिंह जाधव, बड़वानी के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम सोनी, इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मांगीलाल गाडग़े, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर भालसे, कैलाश माली, राजेश रावत, बाबू जैन, दिलीप पंडित, भगवान प्रजापत आदि कार्यकर्ता-पदाधिकारी मौजूद रहे। आईटी सेल जिला संयोजक शुभम जायसवाल ने शमी का पौधा भेंटकर जन्मदिन की बधाई दी। श्रीमती ब्राह्मणे ने अपने जन्मदिन पर एक दिन पहले ही कार्यकर्ताओं से उनसे व्यक्तिगत मिलकर शुभकामनाएं देने के बजाय सोशल मीडिया, मोबाइल फोन के माध्यम से देने का आह्वान किया, जिसका असर भी नजर आया। श्रीमती ब्राह्मणे ने भाजपा कार्यालय पर शहर के कार्यकर्ताओं, स्नेहीजनों से मुलाकात की।

किसान भाई खेत की मेढ़ पर करें पौधरोपण

जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया जिलाध्यक्ष ने जन्मदिन पर पीएम मोदी को एक पेड़ मां के नाम अभियान को आत्मसात करते हुए अपने पिता की स्मृति में कार्यालय परिसर में पौधा भी रोपा।

ब्राह्मणे ने पौधारोपण कर संकल्प लिया कि इस पौधे को वह खुद सिंचित करेंगे, इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं को भी अपने या परिवार के जन्मदिन या पूर्वजों की स्मृति में पौधरोपण का संकल्प दिलाया। उन्होंने किसान भाईयों से भी अपील की है कि आगामी बारिश के समय पर अपने खेत की मेढ़ पर भी पौधरोपण करें, खासकर ऐसे फलदार या औषधिय पौधे जो विलुप्ती की कगार पर है। इससे खेत की मिट्टी का कटाव भी रुकेगा, पर्यावरण संरक्षण भी होगा और उन्हें अतिरिक्त आय भी मिलेगी।

व्यक्तित्व विकास और करियर मार्गदर्शन संगोष्ठी में पहुंचे लोग

मंडलेश्वर, निप्र। उमिया कन्या शिक्षा महाविद्यालय मंडलेश्वर में बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं हेतु व्यक्तित्व विकास एवं करियर मार्गदर्शन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं मैनेजमेंट गुरु डॉ. प्रियांश शिमले थे।

डॉ. शिमले ने कहा कि 'शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है' तथा वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण शिक्षकीय सेवाओं में भी कड़ा प्रतियोगी वातावरण बन गया है। उन्होंने छात्राओं को साक्षात्कार में सफलता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए एवं आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास तथा प्रभावी संवाद कौशल पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के उत्तरदायित्वों एवं समाज निर्माण में उनकी भूमिका को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. शिमले ने सरल एवं प्रेरणादायी तरीके से समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. प्रियांश शिमले का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन श्री कमलकिशोर पाटीदार ने आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करने की सहमति प्रदान की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ब्रह्मप्रकाश शर्मा, प्रो. मीनू कुशवाह, प्रो. सोनालिका चौहान, प्रो. उर्वशी पाण्डेय, दीपक चौहान, अजय पटेल, दिनेश मेवाड़े, विधि पाटीदार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक नजर में | **विभागीय निगरानी पर उठे सवाल, प्रतिष्ठानों की गतिविधियां भी दिख रही संदेह के दायरे में**

औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों के बाहर लगे जीएसटी बोर्ड गायब

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र। औद्योगिक क्षेत्र में संचालित कई उद्योगों के बाहर अनिवार्य रूप से लगाए जाने वाले जीएसटी पंजीयन बोर्ड अब नजर नहीं आ रहे हैं। नियमों के अनुसार प्रत्येक पंजीकृत उद्योग एवं प्रतिष्ठान को अपने संस्थान के बाहर जीएसटी नंबर और फर्म की जानकारी प्रदर्शित करना आवश्यक होता है, लेकिन क्षेत्र के अनेक उद्योगों में यह व्यवस्था पूरी तरह गायब दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों और व्यापारिक वर्ग का कहना है कि बिना बोर्ड वाले उद्योगों की गतिविधियों पर संदेह की स्थिति बनती है। इससे यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या संबंधित विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है या नहीं। कई स्थानों पर उद्योग संचालित होने के बावजूद बाहर किसी प्रकार की पहचान या जीएसटी संबंधी जानकारी प्रदर्शित नहीं की गई है। जानकारों का मानना है कि जीएसटी बोर्ड केवल औपचारिकता नहीं बल्कि पारदर्शिता और वैधानिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बोर्ड नहीं होने से आम नागरिकों, व्यापारिक साझेदारों और विभागीय अधिकारियों को भी संस्थान की पहचान में कठिनाई होती है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और जीएसटी विभाग से मांग की है कि औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण कर ऐसे उद्योगों की जांच की जाए जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जीएसटी नियमों के अनुसार संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार पर फर्म का नाम, जी एसटी आईएन (GSTIN) नंबर और व्यवसाय से संबंधित जानकारी वाला बोर्ड लगाया जाना चाहिए, ताकि आम नागरिक, ग्राहक और विभागीय अधिकारी आसानी से प्रतिष्ठान की पहचान कर सकें।

ये कहते हैं नियम...

प्रत्येक पंजीकृत उद्योग/व्यवसाय को अपने व्यवसाय स्थल पर जीएसटी पंजीयन प्रमाणपत्र प्रदर्शित करना अनिवार्य है। मुख्य प्रवेश स्थान पर जीएसटी नंबर और फर्म का नाम स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान जानकारी नहीं मिलने पर विभाग द्वारा नोटिस या कार्रवाई की जा सकती है।

क्यों जरूरी है जीएसटी बोर्ड?

उद्योग की वैधानिक पहचान सुनिश्चित होती है। ग्राहकों और व्यापारिक साझेदारों में विश्वास बढ़ता है। विभागीय जांच और पारदर्शिता बनाए रखने में सुविधा होती है। फर्जी या अपंजीकृत गतिविधियों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।

जुर्माना का प्रावधान भी है

औद्योगिक क्षेत्र में कई उद्योगों के बाहर त्रस्ज्ञ बोर्ड नहीं लगे हैं। त्रस्ज्ञ नियमों के अनुसार प्रत्येक पंजीकृत व्यवसाय को अपने प्रतिष्ठान के बाहर त्रस्ज्ञद्बह्न प्रदर्शित करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग द्वारा ?25 हजार तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।